

प्रेषक,

डा० हेमलता ढौंडियाल
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

जिलाधिकारी
पिथौरागढ़/बागेश्वर/
देहरादून/पौड़ी/चमोली

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून. दिनांक: 2 | अप्रैल, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु ऊन, धागा बैंक की स्थापना योजनान्तर्गत धनराशि स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक प्रमुख सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन के शासनादेश संख्या: 267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2008-09 हेतु उद्योग निदेशालय के अन्तर्गत खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के आयोजनागत पक्ष के ऊन, धागा बैंक की स्थापना योजना में धनराशि ₹0 28,65,000/- (₹0 अट्ठाइस लाख पैंसठ हजार मात्र) की धनराशि निम्नविवरणानुसार व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

जनपद का नाम	स्वीकृत की जा रही धनराशि(₹0 लाख में)
पिथौरागढ़	7.11
बागेश्वर	0.66
देहरादून	2.00
पौड़ी	12.88
चमोली	6.00

2- वितरण अधिकारी (जिला अधिकारी) के द्वारा उक्त धनराशि का मासिक व्यय विवरण का रजिस्टर बी०एम० 8 के प्रपत्र पर रखा जायेगा और पूर्व के माह को व्यय का विवरण उक्त अधिकारी के द्वारा अनुवर्ती माह की 5 तारीख तक उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी को बजट मैनुअल की अध्याय-13 के प्रस्तर-116 की व्यवस्थानुसार प्रेषित किया जायेगा और प्रस्तर-128 की व्यवस्थानुसार उक्त अनुदान के नियंत्रक अधिकारी द्वारा पूर्ववर्ती माह का संगत व्यय विवरण अनुवर्ती माह की 25 तारीख तक वित्त विभाग को प्रेषित किया जायेगा और नियमित रूप से सरकार/शासन को उक्त विवरण प्रेषित नहीं किया जाता है तो उत्तरदायी अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक (मा० मुख्यमंत्री जी/मुख्य सचिव) कार्यवाही करने हेतु सक्षम स्तर को अवगत कराया जायेगा। प्रशासनिक विभाग प्रस्तर-130 के आधीन उक्त आवंटित धनराशि के व्यय का नियंत्रण करेंगे।

3- उक्त धनराशि आपके निवर्तन पर इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जा रही है कि स्वीकृत धनराशि का आवश्यकतानुसार आहरण कर व्यय जायेगी। व्यय में मितव्ययता नितांत आवश्यक है तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाये। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने पर बजट मैनुअल तथा वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो, व्यय उन्हीं मदों पर किया जाय, जिसके लिये यह धनराशि स्वीकृत की जा रही है।

4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक: 31.03.2009 तक उपयोग कर लिया जायेगा। वर्षान्त तक स्वीकृत धनराशि के विपरीत योजना की वित्तीय/भौतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। व्यय के पश्चात् यदि कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे दिनांक: 31.03.2009 तक शासन को समर्पित किया जायेगा।

5- योजना पर जनपदवार व्यय जिला नियोजन एवं अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार प्लान आउट-ले व योजनाओं के अनुसार ही किया जायेगा।

6- स्वीकृत धनराशि जिला अनुश्रवण समिति द्वारा अनुमोदित जनपदवार परिव्यय/योजनाओं के अनुरूप ही सैक्टरवार व्यय किया जायेगा एवं धनराशि का व्यय वित्त विभाग के उपरोक्त शासनादेश दिनांक 27 मार्च 2008 में उल्लिखित निर्देशानुसार किया जायेगा।

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2008-09 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 105-खादी ग्रामोद्योग, 91-जिला योजना, 02-ऊन, तागा बैंक की स्थापना, 20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 267/XXVII(1)/2008 दिनांक 27 मार्च, 2008 के प्रस्तर-5 में इंगित निर्देशानुसार निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीया

(डा० हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 1790(1)/VII-2/86-उद्योग/2008, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
2. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, सम्बन्धित जनपद।
3. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी।
4. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल-पौड़ी/कुमाऊँ मण्डल-नैनीताल।
6. निदेशक, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उत्तराखण्ड खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, देहरादून।
8. अपर सचिव, वित्त बजट, अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन। *निदेशित विभाग।*
9. जिला ग्रामोद्योग अधिकारी, पिथौरागढ़/बागेश्वर/देहरादून/पौड़ी/चमोली।
- ✓ 10. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
11. वित्त अनुभाग-2
12. गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(डा० हेमलता ढौंडियाल)
अपर सचिव।